आदर्श जनसंख्या का सिद्धांत
(Optimum Theory Of Population)

आदर्शतम जनसंख्या के सिद्धान्त की वैज्ञानिक व्याख्या करने का श्रेय प्रो० कैनन (Edwin Cannon) को है इस सिद्धान्त की विवेचना कार-सॉण्डर्स (Carr-Saunders), राबिन्स (Robbins) डाल्टन (Dalton) हिक्स (Hicks) आदि अर्थशास्त्रियों ने भी की है। इसे जनसंख्या का आधुनिक सिद्धान्त भी कहते हैं। माल्थस ने अपने सिद्धान्त में यह बताया था कि बढ़ती हुई जनसंख्या किसी देश के लिए अभिशाप होती है। लेकिन आधुनिक अर्थशास्त्रियों के अनुसार बढ़ती हुई जनसंख्या सर्वदा बुरी नहीं होती। इस सिद्धान्त के अनुसार किसी दिये हुए समय एवं परिस्थिति में किसी देश के लिए जनसंख्या का एक आदर्श आकार होता है जो उस देश में साधनों के समुचित उपयोग के लिए वांछनीय होता है तथा जनसंख्या के इस बिन्दु पर होने से देश का वार्षिक उत्पादन अधिकतम है। अतः देश की जनसंख्या यदि इस बिन्दु से कम है तो जनसंख्या में वृद्धि होना देश के लिए लाभदायक ही है। जनसंख्या के जिस बिन्दु पर रहने से देश का वार्षिक उत्पादन अधिकतम हो अथवा प्रति-व्यक्ति आय अधिकतम हो उसे ही देश के लिए आदर्शतम जनसंख्या कहा जायेगा। आदर्शतम जनसंख्या (optimum population) की परिभाषा कुछ अर्थशास्त्रियों ने निम्न प्रकार से दी है:-

(1) प्रो० कैनन (Edwin Cannon) के शब्द में "किसी दिए हुए समय में अर्थात् ज्ञान एवं परिस्थितियों के समान रहने पर, एक ऐसा बिन्दु होता है जिस पर उत्पादन अधिकतम होता है तथा ऐसी स्थिति में श्रम की मात्रा ऐसी होती है कि उसमें वृद्धि या कमी उत्पादन में आनुपातिक कमी लाती है।"

(At any given time or what comes to same thing. knowledge and circumstances remaining the same, there is what may be called a maximum return. when the amount of labour is such that both an increase and a decrease in it would diminish proportionate returns).

(2) कार-सॉण्डर्स (Car-Saounders) के अनुसार "आदर्शतम जनसंख्या वह है जो अधिकतम आर्थिक कल्याण का सृजन करती है अधिकतम आर्थिक कल्याण सर्वदा प्रति व्यक्ति अधिकतम आय के समरूप नहीं होता, फिर भी व्यावहारिक दृष्टिकोण से दोनों को समान माना जा सकता है।"

(The optimum population is that which produces maximum economic

Welfare.. Maximum economic welfare is not necessarily the same as maximum real income per head but for all practical purpose they may be taken as equivalent.)

(3) प्रो० बोल्डिंग (Boulding) के शब्दों में " वह जनसंख्या जिसपर जीवनस्तर अधिकतम होता है उसे आदर्शतम जनसंख्या कहते हैं।
(The population at which the standard of life is maximum is called the optimum population.)

(4) प्रो० रॉबिन्स (Robbins) के अनुसार " वह जनसंख्या जो अधिकतम उत्पादन सम्भव बनाती है वह आदर्शतम अथवा सर्वोत्तम सम्भव जनसंख्या है। (The population which just makes the maximum return possible is the optimum or the best possible population)

(5) प्रो० हिक्स (J.R. Hicks) के शब्दों में आदर्शतम जनसंख्या का वह स्तर है जो प्रतिव्यक्ति उत्पादन अधिकतम बनाता है।
(The optimum population is that level of population which would make per head output maximum.)

इस प्रकार माल्थस ने जहाँ अपने सिद्धान्त में जनसंख्या एवं खाद्य - सामग्री से संबंध स्थापित किया था वहीं आदर्शतम जनसंख्या के सिद्धान्त में जनसंख्या एवं उत्पादन तथा प्रति व्यक्ति आय से संबंध स्थापित किया गया है। इस सिद्धान्त के अनुसार वह जनसंख्या जिससे देश के साधनों का समुचित उपयोग हो सके तथा प्रतिव्यक्ति आय (Per Capita income) अधिकतम हो आदर्शतम जनसंख्या कहलाती है। इस प्रकार इस सिद्धान्त के अनुसार किसी देश में जनसंख्या की तीन अवस्थाएँ हो सकती हैं।
(1) जनाभाव (under - population) (2) जनाधिक्य (over - population)
(3) आदर्शतम जनसंख्या (optimum - population)।